अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवीं - जैनागम स्तोक वारिधि (परीक्षा 08 जनवरी, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	20	18	32	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) 12वें गुणस्थान का नाम है-

(क) उपशान्त मोहनीय (ख) क्षीण मोहनीय

(ग) निवृत्ति बादर (घ) अनिवृत्ति बादर ( )

(b) अंतिम क्रिया का नाम है-

(क) ईरियावहिया (ख) काइया

(ग) आरम्भिया (घ) कोई नहीं ( )

(c) क्षायोपशमिक सम्यक्त्व निम्न गुणस्थानों में मिलती है-

(क) 4 —14 (ख) 4 —11

(ग) 4 —7 (घ) दूसरे में ( )

(d) आठ द्रव्येन्द्रिय के थोकड़े का अधिकार चलता है-

(क) पन्नवणा पद 15 (ख) पन्नवणा पद 5

(ग) पन्नवणा पद 12 (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(e) सिद्ध में निम्न आत्मा नहीं मिलती है-

(क) द्रव्य (ख) ज्ञान

(ग) दर्शन (घ) चारित्र ( )

(f) 11वें गुणस्थान में कौनसी आत्मा नहीं मिलती है-

(क) कषाय (ख) वीर्य

(ग) योग (घ) कोई नहीं ( )

(g) चार अनुत्तर विमान के देव भविष्य में उत्कृष्ट इन्द्रियाँ करेंगे-

(क) संख्यात (ख) असंख्यात

(ग) अनन्त (घ) नहीं करेंगे ( )

(h) 'बद्धेल्लगा' का तात्पर्य किस काल से है-

(क)वर्तमान (ख) भूतकाल

(ग) भविष्य (घ) तीनों से ( )

(I) असंयत भव्य-द्रव्य देव का थोकड़ा किस सूत्र से है-

(क) भगवती (ख) पन्नवणा

(ग) उववाइ (घ) संकलन है ( )

(j) निम्न में से पदवी नहीं है-

(क) देव (ख) इन्द्र

(ग) अहमिन्द्र (घ) सामानिक ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) विराधक साधुजी मरकर जघन्य पहले देवलोक में उत्पन्न होते हैं। ( )

(b) जो चारित्र के परिणाम से शून्य है, वह भव्य-द्रव्य-देव है। ( )

(c) चारित्र आत्मा में वीर्य आत्मा की नियमा है। ( )

(d) सिर्फ साकार उपयोग वाले आत्मा को उपयोग आत्मा कहते हैं। ( )

(e) भावेन्द्रिय की अपेक्षा से इन्द्रियाँ आठ होती हैं। ( )

(f) पाँच अनुत्तर विमान में अप्रमत्त साधु (पुरुष) ही जाते हैं। ( )

(g) चार से सात गुणस्थानों के बीच में आयुष्य बान्धने वाले आराधक होते हैं। ( )

(h) 12वें गुणस्थान वाले पूर्व प्रतिपन्न की अपेक्षा पृथक्त्व सौ पाये जाते हैं। ( )

(i) दूसरे गुणस्थान का जघन्य अन्तर 1 समय है। ( )

(j) पाँचवाँ गुणस्थान चारित्र मोहनीय के निमित्त से होता है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1 = (10)**

(a)	62.5(साढ़े बासठ) धनुष की उत्कृष्ट अवगाहना	(क) परिगृहीता देवी	.....
(b)	उत्कृष्ट 55 पल की स्थिति	(ख) तीसरी नारकी	.....
(c)	उत्कृष्ट 7 पल की स्थिति	(ग) शय्या	.....
(d)	31.25(सवा इकतीस) धनुष की उत्कृष्ट अवगाहना	(घ) निषद्या	.....
(e)	उत्कृष्ट आधा पल की स्थिति	(च) अपरिगृहीता देवी	.....
(f)	वेदनीय कर्म से सम्बन्धित परीषह	(छ) 14	.....
(g)	मोहनीय कर्म से सम्बन्धित परीषह	(ज) 15	.....
(h)	5वें गुणस्थान में कुल क्रियाएँ	(झ) चौथी नारकी	.....
(i)	9वें गुणस्थान में कुल क्रियाएँ	(य) 22	.....
(j)	10वें गुणस्थान में कुल क्रियाएँ	(र) वाणव्यन्तर देवी	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x2 = (20)**

(a) मैं आने वाले कर्मों को आत्मा के साथ चिपका देती हूँ। .....

(b) मैरे सद्भाव से जीव जीवित रहता है। .....

(c) मेरे 288 भेद हैं। .....

(d) मेरा च्यवन नहीं होता है। .....

(e) मैं ऐसा गुणस्थान हूँ जो उपशम समकित से गिरे हुए को ही आता हूँ। .....

(f) मैं ऐसा योग हूँ जो पर्याप्त अवस्था में सिर्फ केवलियों में मिलता हूँ। .....

(g) मेरे जीवत्व आदि तीन भेद हैं। .....

(h) मैं कर्मों की निर्जरा हेतु सहन करने योग्य हूँ। .....

(i) मैं त्रिकालवर्त्ती आत्म द्रव्य हूँ तथा सब जीवों के होती हूँ .....

(j) मैं योग आत्मा से विशेषाधिक एवं उपयोग आत्मा से कम हूँ। .....

प्र.5 एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए। (कोई 9) **9x2 = (18)**

(a) अनेक जीव आश्री सर्वार्थसिद्ध के देवों की भूत, भविष्य एवं वर्तमान की द्रव्येन्द्रियाँ बताइए।

.....

.....

.....

(b) भविष्य काल की कम से कम 9 द्रव्येन्द्रियाँ कैसे घटित करेंगे ?

.....

.....

.....

(c) विकलेन्द्रिय की स्वस्थान की अपेक्षा से भविष्य में इन्द्रियाँ बताइए। (एक जीव आश्री)

.....

.....

.....

(d) चार अनुत्तर विमान के देवों की स्वस्थान सम्बन्धी अतीत की द्रव्येन्द्रियाँ बताइए। (एक जीव आश्री)

.....

.....

.....

(e) वनस्पति के जीवों में वर्तमान काल की अपेक्षा से द्रव्येन्द्रियाँ असंख्यात ही मानी हैं। क्यों ?

.....

.....

.....

(f) ज्ञान आत्मा में शेष आत्माओं की नियमा-भजना लिखिए।

.....

.....

.....

(g) कषाय आत्मा में शेष आत्माओं की नियमा-भजना लिखिए।

.....

.....

.....

(h) अविराधक साधु एवं श्रावक की गति लिखिए।

.....

.....

.....

(i) कन्दमूल का भक्षण करने वाले तापस एवं कान्दर्पिक साधु की गति लिखिए।

.....

.....

.....

(j) चरक एवं आभियोगिक साधु की गति लिखिए।

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए : -(कोई-8) **8x4=(32)**

(a) **पाँचों स्थावरों में लेश्या एवं प्राण बताइए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **सभी सन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की अवगाहना लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **युगलिकों में दृष्टि एवं समुद्घात लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **विकलेन्द्रिय की चार गति एवं 24 दण्डक की अपेक्षा से गति-आगति लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(e) **8वें व 9वें गुणस्थान का लक्षण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **दूसरे, तीसरे एवं चौथे गुणस्थान में कौन-कौन से योग नहीं मिलते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **गुणस्थानों में उदीरणा द्वार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) **तीसरे एवं तेरहवें गुणस्थान में कौन-कौनसे योग नहीं मिलते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(i) **सर्वार्थ सिद्ध के अनेक जीवों ने स्वस्थान एवं परस्थान की अपेक्षा भूत, भविष्य एवं वर्तमान काल में कितनी द्रव्येन्द्रियाँ की ?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....